मेला कार्तिक का आया | By Pankaj Sharma

मेला कार्तिक का आया
मैं बाबा घणी दूर ते आया
पहले के भीड़ थोड़ी थी
ऊपर से मी बरसाया
क्यूँ मी के साथ या आंधी तेज़ चलावे से हाय
इब दर्शन दे दे बाबा क्यूँ तडपावे से
मेला कार्तिक का आया .....

सुण्या सै बाबा खाटू में बड़ी सेटिंगचाले से
VIP सेठां के आगे खुल ज्यां ताले से
मैं थर थर थर थर कांपू तू मुस्कावे से हाय
इब दर्शन दे दे बाबा क्यूँ तडपावे से
क्यूँ मी के साथ या आंधी तेज़ चलावे से हाय
इब दर्शन दे दे बाबा क्यूँ तडपावे से
मेला कार्तिक का आया .....

देसी घी के चूरमे में पानी मिल ज्यागा
आलाह चूरमा खा के तेरा स्वाद बिगड़ ज्यागा
क्यूँ झर झर झर झर मी की झड़ी लगावे से हाय
इब दर्शन दे दे बाबा क्यूँ तडपावे से
क्यूँ मी के साथ या आंधी तेज़ चलावे से हाय
इब दर्शन दे दे बाबा क्यूँ तडपावे से
मेला कार्तिक का आया .....

चूरमे का शौक़ीन सा लागे विनती सुन तो लो
स्वाद की खातिर मी और आंधी कोसो दूर करी
क्यूँ पल पल पल पल बेचैनी तू बढ़ावे से
इब दर्शन दे दे बाबा क्यूँ तडपावे से
क्यूँ मी के साथ या आंधी तेज़ चलावे से हाय
इब दर्शन दे दे बाबा क्यूँ तडपावे से
मेला कार्तिक का आया .....

तेरी मूरत देख के न्यू लाग्या तेरे दिल में समाना सै
पंकज का इब हाथ पकड़ संग घर मेरे जाना से
एक पल के दर्शन से कदे चैन भी आवे से
मेरे संग हो ले मेरे बाबा क्यूँ तडपावे से
तेरा छम छम छम छम छम लीला नाचे से हाय
मेरे संग हो ले मेरे बाबा क्यूँ तडपावे से

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%bf%e0%a4%95-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a4%be-by-pankaj-sharma/